

2 निश्चयवायम सर्वनाम-

वे सर्वनाम् शब्द जो किसी निश्चित वस्तु मा बोध मुराते हैं, निश्चय वाचक सर्वनाम महाराति हैं - जैसे > यट, वट, में वे यह मेरी पुरुषक है। वह पुम्हारी कुर्मी मे हमारी अलमावियाँ है। वे तुम्हारी विद्या है।



3 अनिश्चथवाच्य सर्वनाम व व सर्वनाम शब्द जो िमी अनिश्चित व्यक्ति या वस्तु के सिए प्रयुक्त किए जाते हैं, अनिश्चयवाचक सर्वनाम कुरायात है- जैसे कोई, कुर्ड किसी वाहर कोई खड़ा है। अंपर कुछ पड़ा है। यहाँ कोई भारदा है। चाय में कुछ गिरा है। किसीने उसे मारा है। यह किसीका पेन है।



 यम्बन्धवाचकु सर्वनाम – वे सर्वनाम श्राव्य जो िम्सी मैं जा या सर्वनाम उपवास्यों के भीच सम्बन्ध का बोध कुराते हैं, सम्बन्ध वाचक सर्वनाम कहलाते है-जैसे- जिसकी- उसकी, जैसी-वैसी, जी-सा/वट, जिल्ला-उलना जसकी लाडी उसकी भैंस।



जी पदेगा वह पास होगा। जिल्ना गुड़ डासोगे उलना मीय होगा जी जारमा सी पारम। जी प्रथम स्थान आरमा, वह इनाम पारम। असे गए वेसे आए। तेते पाँच पसारिए जेती लांबी सीर। विरोष - सम्बन्ध वाचकु सर्वनाम में सम्बन्ध का बोध कराने वाले सर्वनाम सह-सम्बन्ध वाचक सर्वनाम कुरतारा है।



व सर्वनाम शब्द जो िमसी प्रश्न है भरेन या होने का बोध कुराते हैं, प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते हैं-भैसे- क्या, कहाँ, कब, केसे, क्यों, कीन, किसका, किसकी, किसके आप यहाँ च्या मर रहे हो ? वह म्यों नहीं गया ? उसे भयों बुलायाथा ? आए कुहाँ रहते ही ? यह ऐन किसका है ? आप कुसे जामीरे? आप कीन ? तुम किसके पास थे?



6 निजवाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जिनका प्रयोग व्यक्ति स्वयं के लिए करला टे, निजवांचक सर्वनाम कुरलाते हैं-जैमे - स्वयं स्वतः, खुप, आप, अपने आप इत्यादि में अपना कार्य अपने आप भरता हैं। वह खुद ही चामा गया। मैने स्वयं की जान तिया है। वह स्वतः ही रोने लगा। यह समस्या में आप हम कर द्वेंगा। में खाना खुद पकाला है।



आप शब्द का प्रयोग तीन सर्वनामों में किया जाता है कियम पुरुष वाच्यक सर्वनाम के नूप में ने "आदर हेतु" रविश्विकल कहाँ जारहा है? रवि आप कल कहाँ जारहे हो?



- अन्य पुरुष वाचक सर्वनाम के रूप में:—
 गीधी जी राष्ट्रिपिला कुहलीते हैं, आप अहिंसा के पुजारी थे।
 इनसे मितिए आप मुकेश है।
- 3 निजवाचक सर्वनाम है रूप में:-में अपने रुपड़े आप ही धोता है। वह अपने आप भा जारणा।